B-2

L-11

दिनांक
27-09-23

- पवनों का नियम

1- मौसम विज्ञानियों द्वारा पवन की गति एवं दिशा दोनों दी जाती है।

2- पवन जिस दिशा से आती है वही दिशा उसका नाम बनेगी -

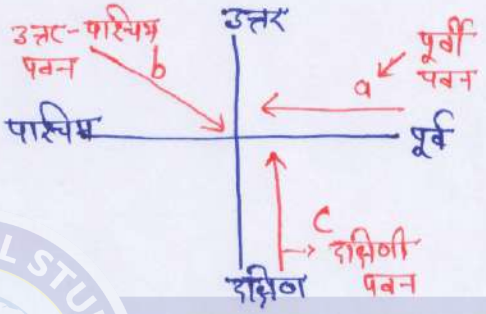

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

वायुमंडलीय दाब पेटियां

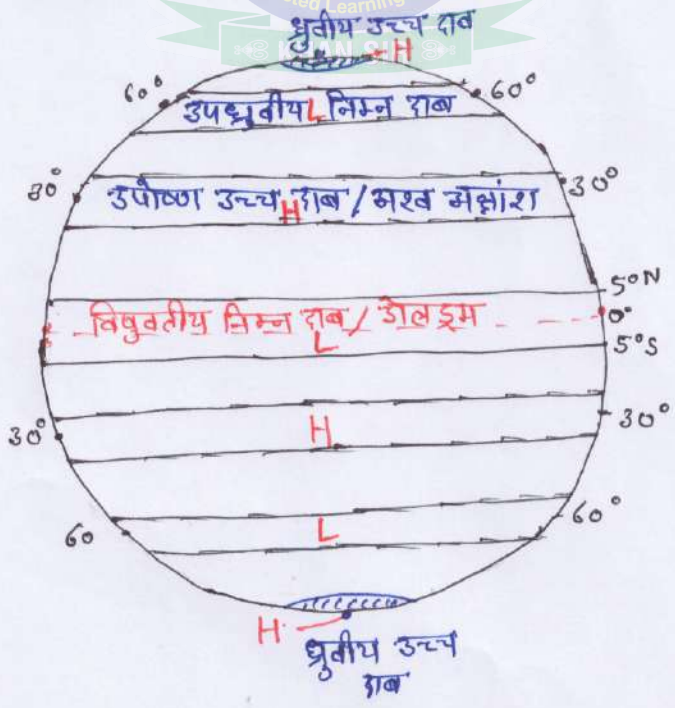

डोलड्रम → निम्न दाब + गर्म / उष्ण क्षेत्र + पवन × + उत्थान / उठती
(5°N – 5°S) वायुधारा ✓ हुई वायु

– बादल एवं वर्षा क्षेत्र ⟶ अस्थिर वायुमंडल

अश्व अक्षांश → उपोष्ण उच्च वायुदाब + पवन × + वायु का
25°N/S — 35°N/S वायुधारा ✓ अवतलन

– आसमान साफ ⟶ स्थिर वायुमंडल

उपध्रुवीय निम्न वायुदाब पेटी → ध्रुवीय वाताग्र क्षेत्र ⟶ पवन – × + वाताग्रीय
वायुधारा ✓ उत्थान

→ बादल एवं वाताग्रीय वर्षा

ध्रुवीय उच्च दाब → अति ठण्डी → शुष्क या + पवन – × + ठण्डी भारी
अर्द्ध शुष्क वायुधारा ✓ हवा का अवतलन

– आसमान साफ

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

– ग्लोब पर 7 वायुमंडलीय दाब पेटियां पायी जाती हैं। इनमें से 3 निम्न दाब पेटियां एवं 4 उच्च वायुदाब पेटियां हैं।

ग्रहीय पवन पेटी

– कोरियोलिस प्रभाव के कारण पवनें उत्तरी गोलार्द्ध में अपने दायीं ओर एवं दक्षिणी गोलार्द्ध में अपने बायीं ओर मुड़ जाती हैं।

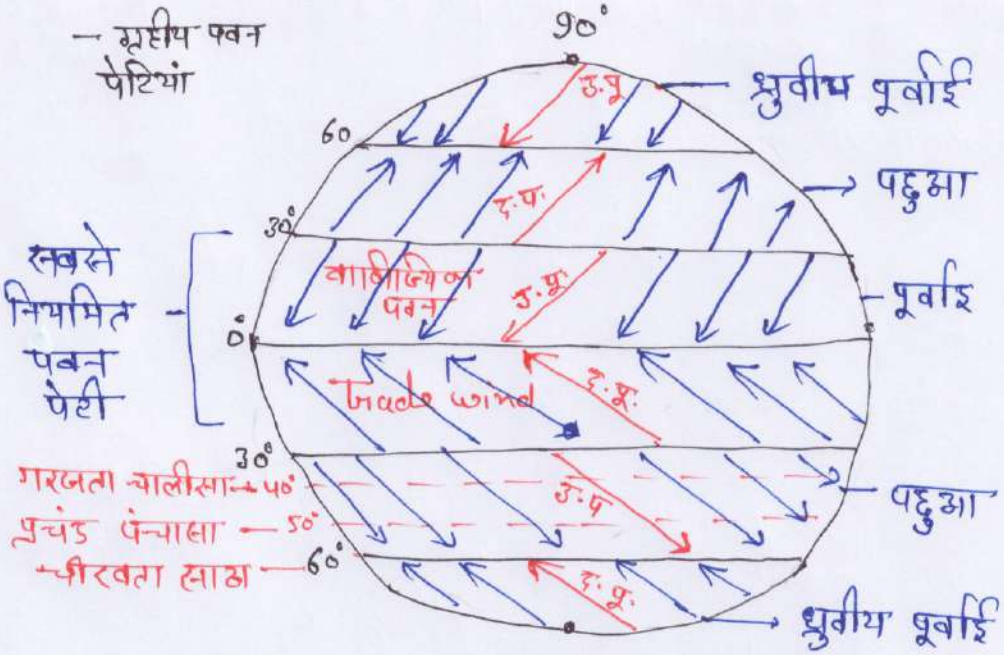

* दक्षिणी गोलार्द्ध में बहने वाली पछुआ उत्तरी गोलार्द्ध की तुलना में ज्यादा नियमित है एवं ज्यादा तीव्र होती है — कारण → दक्षिणी गोलार्द्ध में भू-भाग की कमी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
A Trusted Learning Platform
KHAN SIR

विश्व की जलवायु दशाएँ:

- विश्व की जलवायु को ताप-आर्द्रता आधारित प्रदेशों में देखा जाता है।
- तापमान को सूचित करने वाली तीन शब्दावलियां→ गर्म/उष्ण, ठण्डा/शीतोष्ण, बर्फीला/ध्रुवीय/शीत
- आर्द्रता के लिए → आर्द्र, अर्ध शुष्क, शुष्क
- तापमान का पता लगाने के लिए अक्षांशों का सहारा लेते हैं जबकि आर्द्रता का पता लगाने के लिए वर्षा के प्रकार का।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

वर्षा के प्रकार

1- संवहनीय वर्षा - यह गर्म एवं आर्द्र क्षेत्रों में होती है।

- यह विषुवतीय उष्ण व उपोष्ण आर्द्र क्षेत्रों में देखी जाती है।
- इसमें गर्म एवं आर्द्र हवा हल्की होने के कारण ऊपर उठती है एवं उत्थान के दौरान यह ठण्डी होती है। (तापीय ह्रास)
- ओसांक बिन्दु के तापमान पर पहुँचते ही मेघ निर्माण होता है जिससे संवहनीय वर्षा की उत्पत्ति होती है।

2- पर्वतीय वर्षा
⇓
1- तटोन्मुखी आर्द्र पवन
2- पर्वतीय व्यवधान

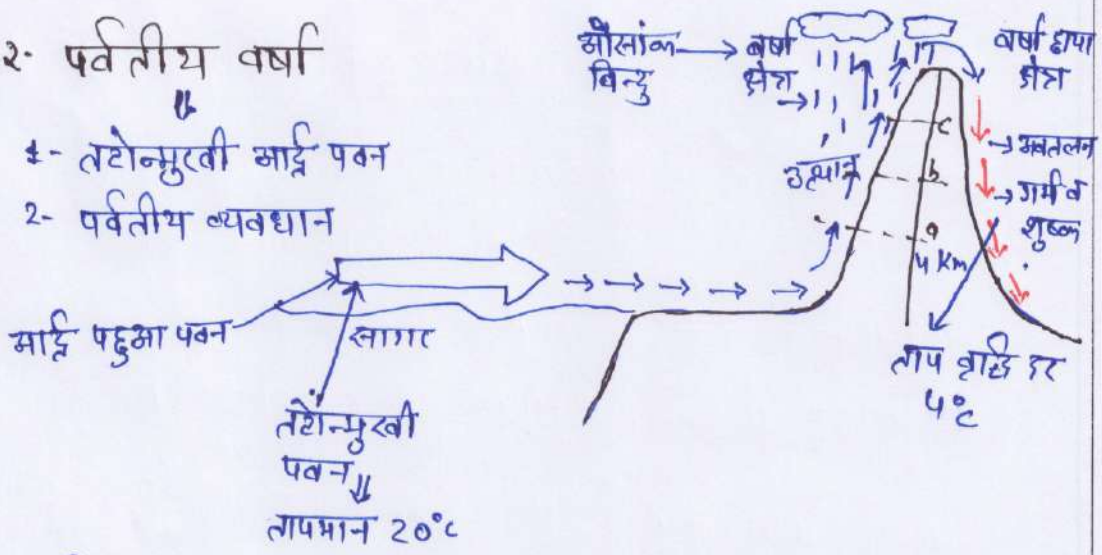

ओसांक = 4°c
ताप ह्रास दर = 4°c/1km

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

3- वाताग्रीय वर्षा :-

वाताग्र - दो वायुराशियों के मध्य का संक्रमण क्षेत्र।
- जब दो भिन्न वायु राशियों का अभिसरण होता है तो उनके मध्य वाताग्र निर्माण होता है व वाताग्रीय वर्षा होती है।

यह मुख्यतः मध्य अक्षांशीय (30°-60°) पेटी में होती है।

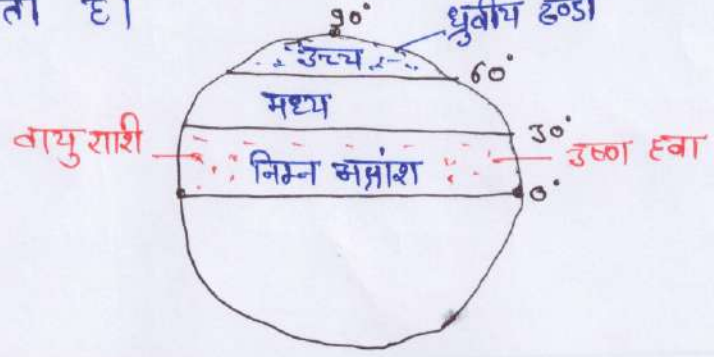

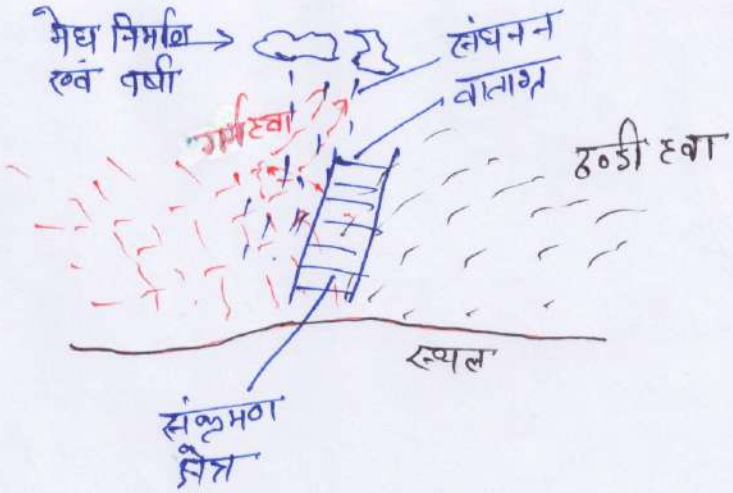

प्रश्न:- उत्तरी गोलार्द्ध में प्रमुख रेगिस्तान 20°-30° उत्तर और महाद्वीपों के पश्चिमी भाग के मध्य स्थित हैं। क्यों?

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR